जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय

ग्राम - मदाऊ, पोस्ट - भांकरोटा, जयपुर, (राज॰) - 302026

वेबसाईट : www.jrrsanskrituniversity.ac.in ▌ ई–मेल - jrrsu@yahoo.com ▌ टेलीफैक्स: 0141 - 5132021

क्रमांक : प ( ) जरारासंविवि/ शैक्ष./18/ दिनांकः–

प्राचार्य,
समस्त शास्त्री/आचार्य महाविद्यालय
.....
.....
.....

विषयः– 2018–19 के पाठ्यक्रम के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयान्तर्गत लेख है कि विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2018–19 के पाठ्यक्रम में कुछ संशोधन किये गये है, जो पत्र के साथ संलग्न कर भिजवाये जा रहे हैं। शेष पाठ्यक्रम पूर्व सत्र 2017–18 के अनुसार रहेगा। इस संबंध मे सभी प्राध्यापको/छात्र–छात्राओं को सूचित करें तथा संशोधित पाठ्यक्रम के अनुसार ही अध्यापन की व्यवस्था करावें।

Sd/r
सहायक कुलसचिव

क्रमांक : प ( ) जरारासंविवि/ शैक्ष./18/ 4546 दिनांकः– 2.10.18

प्रतिलिपि सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु :–

1. प्रभारी वेबसाईट, जरारासंविवि, जयपुर को विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर अपलॉड करवाने हेतु प्रेषित है।

सहायक कुलसचिव

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय

ग्राम - मदाऊ, पोस्ट - भांकरोटा, जयपुर, (राज.) - 302026

वेबसाईट : www.jrrsanskrituniversity.ac.in ▌ ई–मेल - jrrsu@yahoo.com ▌ टेलीफैक्सः 0141 - 5132021

यू0ओ0नोट

विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर अपलॉड करने हेतु निम्नलिखित पाठ्यक्रम संलग्न कर प्रेषित है :–

1. दर्शन संकाय पृष्ठ संख्या – 04 (चार)
2. श्रमण विद्या संकाय पृष्ठ संख्या 06 (छः)
3. साहित्य एवं संस्कृत संकाय पृष्ठ संख्या 06 (छः)
4. आधुनिक ज्ञान विज्ञान संकाय पृष्ठ संख्या 27 (सत्ताईस)
5. वेद–वेदांग संकाय पृष्ठ संख्या — 01 (एक)

कृपया उक्त पाठ्यक्रमों को विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर अपलॉड करवानें का श्रम करें।

संलग्न :– उपरोक्तानुसार

सहायक कुलसचिव
शैक्षणिक शाखा

प्रभारी वेबसाईट
जरारासंविवि, जयपुर।

क्रमांक : प (522) जरारासंविवि / शैक्ष. / 18 / 4517
दिनांकः 28-9-18

कार्यवाही विवरण

दर्शन संकाय एवं अध्ययन मण्डल के संयुक्त उपवेशन का आयोजन आज दिनांक 26.4.18 को संकायाध्यक्ष डॉ० लालचन्द शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। बैठक की कार्यवाही डॉ० लक्ष्मी नारायण शर्मा के मंगलाचरण से प्रारम्भ की गई। उक्त बैठक में दर्शन संकाय के सम्बन्धित पाठ्यक्रमों के बारे में सत्र 18-19 के सन्दर्भ में विचार विमर्श किया गया।

1 शास्त्री प्रथम वर्ष के मीमांसा दर्शन प्रथम पत्र में तन्त्रसिद्धान्त रत्नावली के स्थान पर डॉ० मण्डन मिश्र कृत मीमांसा परिभाषा रखने की संस्तुति की गई। शास्त्री प्रथम वर्ष का शेष सभी दर्शनों का पाठ्यक्रम पूर्ववत ही रखा जाना प्रस्तावित है।

2 शास्त्री द्वितीय वर्ष का सत्र 17-18 के पाठ्यक्रम को ही यथावत सत्र 18-19 में रखा जाना प्रस्तावित है।

3 शास्त्री तृतीय खण्ड सामान्य दर्शन द्वितीय प्रश्न पत्र के भाग (ख) प्रायोगिकम् के साथ निम्नलिखित योगासनों के नाम अंकित किया जाना प्रस्तावित है —

आसनानि

सूर्य नमस्कार, अर्द्ध मत्स्येन्द्रासन, अर्द्ध चक्रासन, पाद हस्तासन, त्रिकोणासन, परिवृत्त-त्रिकोणासन, वज्रासन, शशांकासन, ऊष्ट्रासन, वक्रासन, पश्चिमोत्तानासन, भुजंगासन, शलभासन, धनुरासन, सर्वांगासन, चक्रासन, मयूरासन, सुखासन, पद्मासन, अर्द्ध शीर्षासन, शीर्षासन इत्यादयः।

शास्त्री तृतीय खण्ड के समस्त दर्शनों का पाठ्यक्रम सत्र 17-18 के अनुरूप ही रखने की संस्तुति की गई।

4 आचार्य प्रथम खण्ड व आचार्य द्वितीय खण्ड का पाठ्यक्रम सत्र 17-18 के अनुरूप ही रखे जाने की संस्तुति की गई।

5 संयुक्ताचार्य प्रथम सेमेस्टर मीमांसा दर्शन प्रथम प्रश्न पत्र तन्त्रसिद्धान्त रत्नावली के स्थान पर डॉ० मण्डन मिश्र कृत मीमांसा परिभाषा रखने की संस्तुति की गई।

संयुक्ताचार्य सामान्य दर्शन ~~प्रथम~~ षष्ठ सेमेस्टर

द्वितीय पत्र में प्रस्तोगीक के पाठ्यक्रम में शास्त्री तृतीय खण्ड के अनुसार आसनों के नाम अंकित किया जाना अपेक्षित है।

संयुक्ताचार्य के समस्त दर्शनों का शेष पाठ्यक्रम सत्र 17-18 के अनुरूप ही रखे जाने की संस्तुति की गई।

6 योग साधना केन्द्र के अन्तर्गत संचालित समस्त पाठ्यक्रम पूर्ववत ही रखे जाने की निर्णय लिया गया।

7 एम. फिल (~~शिक्षा नीति~~) दर्शन पाठ्यक्रम के II सेमेस्टर में प्रथम पत्र 100 अंक का रहेगा -

(i) लिखित परीक्षा - ~~80~~ 80 अंक

(ii) आन्तरिक मूल्यांकन - 20 अंक

पूर्णांक 100

पाठ्य बिन्दु

1 प्रमाण मीमांसा - सभी प्रमुख दर्शनों के अनुसार तुलनात्मक अध्ययन
2 सृष्टि प्रक्रिया - सभी प्रमुख दर्शनों के अनुसार तुलनात्मक अध्ययन
3 आत्मा का स्वरूप - सभी प्रमुख दर्शनों के अनुसार तुलनात्मक अध्ययन
4 मोक्ष का स्वरूप - सभी प्रमुख दर्शनों के अनुसार तुलनात्मक अध्ययन
5 समाधि
6 प्रकृति-पुरुष विवेक (सांख्य दर्शन के अनुसार)
7 सत्कार्यवाद
8 अष्टांग योग (योग दर्शन के अनुसार)
9 पदार्थ विमर्श (न्याय - वैशेषिक के अनुसार)
10 प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान एवं शाब्द प्रमाण ज्ञान
11 विधि, अर्थवाद, निषेध एवं भावना (मीमांसा दर्शन)
12 ब्रह्म, ईश्वर, अध्यास, अज्ञान (माया-अविद्या) पंचीकरण महावाक्य अनुभववाक्य एवं जीवनमुक्त (वेदान्त दर्शन के अनुसार)

(5)

13 सप्त पदार्थ, स्याद्वाद, सप्तभंगी, अहिंसा का विवेचन (जैन दर्शन के अनुसार)।

~~सं~~ प्रस्तावित पुस्तकें —

1 अभिनव गुप्त – ए हिस्टोरिकल एण्ड फिलोसोफिकल स्टडी के डा कान्ति चन्द पाण्डेय, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
2 भारतीय दर्शन – डॉ. कुँवर लाल व्यास शिष्य – चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
3 भारतीय दर्शन – डॉ. उमेश मिश्र, हिन्दी समिति, इलाहाबाद
4 भारतीय दर्शन – डॉ. बलदेव उपाध्याय
5 भारतीय दर्शन आलोचनात्मक अध्ययन – डॉ. जयकिशन प्रसाद
6 भारतीय दर्शन – डॉ. वाचस्पति गैरोला
7 भारतीय दर्शन की रूपरेखा – एम. हिरियन्ना
8 सर्वदर्शन संग्रह – श्री उमाशंकर शर्मा

अन्त में धन्यवाद के साथ बैठक का समापन किया गया।

[signature]

[signature]

ज्ञान [signature] 26.04.18

[signature]

रामकृष्ण नाथ त्रिपाठी 26-04-18

[signature] 26/04/17

[signature]

[signature] 26.4.18

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय

मदाऊ, भाँकरोटा, जयपुर

श्रमण विद्यासंकाय

श्रमण विद्यासंकाय एवं अध्ययन मण्डल का संयुक्त अधिवेशन आज दिनांक 28.04.2018 को आयोजित किया गया। उक्त उपवेशन में संकायाधीन प्रचलित पाठ्यक्रमों पर विचार विमर्श कर सत्र 2018-19 हेतु पाठ्यक्रम में निम्नलिखित परिवर्तन/परिवर्धन/संशोधन किये गये :-

जैन दर्शन

1. शास्त्री प्रथम वर्ष में 2017-18 में प्रचलित पाठ्यक्रम को यथावत रखने की संस्तुति की जाती है।

2. शास्त्री द्वितीय वर्ष प्रथम प्रश्न पत्र में

(क) सर्वार्थसिद्धिः (आचार्य पूज्यपादः) 5तः8 अध्यायपर्यन्तम् 80 अंक

प्राप्ति स्थानम् - भारतीय ज्ञानपीठ दिल्ली

(ख) भावनाशतकम् (आचार्य विद्यासागरः) सम्पूर्णम् 20 अंक

प्राप्ति स्थानम् - श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थानम् सांगानेरम्

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अंकाः
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	10	10X02=20
लघूत्तरात्मकाः	6	3	03X06=18
लघू निबन्धात्मकाः	6	3	03X08=24
निबन्धात्मकाः	2	1	01X18=18
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अंकाः**
लघूत्तरात्मकाः	4	2	02X06=12
लघू निबन्धात्काः	2	1	01X08=08

शास्त्री द्वितीय वर्ष का जैनदर्शन विषयक शेष पाठ्यक्रम पूर्ववत रहेगा।

3. शास्त्री तृतीय वर्ष प्रथम प्रश्न पत्र

(क) तत्त्वार्थराजवार्तिकम् (आचार्यो भट्टाकलंकदेवः) - 40 अंकाः

(पूर्ववत् अंड्कःविभाजनम्)

(ख) आप्तमीमांसा (आचार्यः सम्न्तभद्रः) प्रथमतः 60 कारिकापर्यन्तम्

वीर सेवा मन्दिर दिल्ली 40 अंकाः

28/4/18

(ग) निरञ्जन शतकम् (आचार्य विद्यासागरः) 20 अंकाः

प्राप्ति स्थानम् – श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थानम् सांगानेरम्

(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अंकाः
अतिलघूत्तरात्मकाः	06	06	06X02=12
लघूत्तरात्मकाः	02	01	01X06=06
लघू निबन्धात्मकाः	02	01	01X08=08
निबन्धात्मकाः	02	01	01X14=14

(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अंकाः
लघूत्तरात्मकाः	4	2	02X06=12
लघू निबन्धात्काः	2	1	01X08=08

शास्त्री तृतीय वर्ष द्वितीय प्रश्न पत्र

(क) आप्तपरीक्षा (आचार्यविद्यानन्दः) 1तः25कारिकापर्यन्तम्

पूर्ववत् अङ्कविभाजनम् 50 अंक

(ख) जैनतत्त्वविद्या (मुनिः प्रमाणसागरः) चरणानुयोगः द्रव्यानुयोगश्च

भारतीय ज्ञानपीठ दिल्ली 30 अंक

(ग) चैतन्यचन्द्रोदयशतकम् मूलकारिका (आचार्यः विद्यासागरः)

प्राप्तिस्थानम् – श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थानम् सांगानेरम् जयपुरम् 20 अंक

(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अंकाः
अतिलघूत्तरात्मकाः	05	05	05X02=10
लघूत्तरात्मकाः	02	01	01X06=06
लघू निबन्धात्मकाः	04	02	02X07=14
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अंकाः
लघूत्तरात्मकाः	2	1	01X06=06
लघू निबन्धात्काः	4	2	02X07=14

4. आचार्य प्रथम खण्ड एवं द्वितीय खण्ड जैनदर्शन का पाठ्यक्रम वर्ष 2017-18 के अनुसार यथावत ही रखा जावे।

5. प्राकृत जैनागम एवं बौद्ध दर्शन का पाठ्यक्रम सम्पूर्ण शास्त्री (I+II+III Year) एवं आचार्य प्रथम एवं द्वितीय खण्ड का वर्ष 2017-18 का पाठ्यक्रम को 2018-19 के लिए यथावत रखा जावें।

6. श्रमण विद्यासंकाय के जैनदर्शन प्रथम सेमेस्टर एवं द्वितीय सेमेस्टर का पाठ्यक्रम 2017-18 के अनुसार यथावत रखा जावें।

7. जैनदर्शन तृतीय सेमेस्टर से षष्टम सेमेस्टर पर्यन्त पाठ्यक्रम निम्नप्रकार है :-

श्रमणविद्यासंकायः

जैनदर्शनम्

शास्त्री अर्द्धवार्षिकपाठ्यक्रमः (तृतीय सेमेस्टर)

प्रथमप्रश्नपत्रम् **पूर्णांकाः 50**

(क) **सर्वार्थसिद्धिः** (आचार्य पूज्यपादः) पंचमोऽध्यायः 40

प्राप्तिस्थानम्– भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली

(ख) भावनाशतकम् (आचार्य विद्यासागरः) 1तः 50 श्लोकपर्यन्तम्। 10

प्राप्ति स्थानम् – श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थानम् सांगानेरम्

अंकविभाजनम्–

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अंकाः
अतिलघूत्तरात्मकाः	04	04	04 X 02=08
लघूत्तरात्मकाः	06	03	03 X 03=09
लघुनिबन्धात्मकाः 1. सूत्रव्याख्या	06	03	03 X 05=15
निबन्धात्मकाः	02	01	01 X 8 = 8
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अंकाः**
लघूत्तरात्मकाः	2	1	01X04=04
लघू निबन्धात्काः	2	1	01X06=06

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णांकाः 50**

(क) **प्रमेयरत्नमाला** (आचार्यलघ्वनन्तवीर्यः) चतुर्थपंचमसमुद्देशौ। 25

प्राप्तिस्थानम्– चौखम्बा प्रकाशनम्, वाराणसी।

(ख) **स्याद्वादमंजरी** (मल्लिषेणसूरिः) 1तः 6कारिकापर्यन्तम्। 25

श्रीमद्राजचन्द्र आश्रम, अगास।

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अंकाः
अतिलघूत्तरात्मकाः	05	05	05 X 02=10
लघूत्तरात्मकाः श्लोकार्थाः	02	01	01 X 04=04
लघुनिबन्धात्मकाः सूत्रव्याख्याः	02	01	0 X 04=04
निबन्धात्मकाः	02	01	01 X 07 = 07
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अंकाः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	04	04	04 X 02=08
लघूत्तरात्मकाः श्लोकव्याख्याः	04	02	02 X 04=08
निबन्धात्मकाः	02	01	01 X 09 = 09

8/5/18

श्रमणविद्यासंकायः

जैनदर्शनम्

शास्त्री अर्द्धवार्षिकपाठ्यक्रमः (चतुर्थ सेमेस्टर)

प्रथमप्रश्नपत्रम् पूर्णांकाः 50

(क) सर्वार्थसिद्धिः (आचार्य पूज्यपादः) 6तः 7 अध्यायपर्यन्तम् 40

प्राप्तिस्थानम्– भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली

(ख) भावनाशतकम् (आचार्य विद्यासागरः) 1तः 50 श्लोकपर्यन्तम्। 10

प्राप्ति स्थानम् – श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थानम् सांगानेरम्

अंकविभाजनम्–

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अंकाः
अतिलघूत्तरात्मकाः	04	04	04 X 02=08
लघूत्तरात्मकाः	06	03	03 X 03=09
लघुनिबन्धात्मकाः 1. सूत्रव्याख्या	06	03	03 X 05=15
निबन्धात्मकाः	02	01	01 X 8 = 8
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अंकाः
लघूत्तरात्मकाः	2	1	01X04=04
लघू निबन्धात्काः	2	1	01X06=06

द्वितीयप्रश्नपत्रम् पूर्णांकाः 50

(क) प्रमेयरत्नमाला (आचार्यलघ्वनन्तवीर्यः) षष्ठः समुद्देशः। 25

प्राप्तिस्थानम्– चौखम्बा प्रकाशनम्, वाराणसी।

(ख) स्याद्वादमंजरी (मल्लिषेणसूरिः) 7तः 11कारिकापर्यन्तम्। 25

श्रीमद्राजचन्द्र आश्रम, अगास।

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अंकाः
अतिलघूत्तरात्मकाः	05	05	05 X 02=10
लघूत्तरात्मकाः श्लोकार्थाः	02	01	01 X 04=04
लघुनिबन्धात्मकाः सूत्रव्याख्याः	02	01	0 X 04=04
निबन्धात्मकाः	02	01	01 X 07 = 07
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अंकाः
अतिलघूत्तरात्मकाः	04	04	04 X 02=08
लघूत्तरात्मकाः श्लोकव्याख्याः	04	02	02 X 04=08
निबन्धात्मकाः	02	01	01 X 09 = 09

हितेन्द्र 28/4/18

श्रमणविद्यासंकायः

जैनदर्शनम्

शास्त्री अर्द्धवार्षिकपाठ्यक्रमः (पंचम सेमेस्टर)

प्रथमप्रश्नपत्रम् — पूर्णांकाः 50

(क) तत्त्वार्थराजवार्तिकम् (आचार्योऽकलंकदेवः) प्रथमोऽध्यायः 1तः 18सूत्रपर्यन्तम् — 20
प्राप्तिस्थानम्– भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली

(ख) आप्तमीमांसा (आचार्यः समन्तभद्रः) 1तः 60कारिकापर्यन्तम्। — 20
वीर–सेवा–मन्दिरम्, दिल्ली

(ग) निरञ्जन शतकम् (आचार्य विद्यासागरः) 1तः 50 श्लोकपर्यन्तम्। — 10
प्राप्ति स्थानम् – श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थानम् सांगानेरम्

अंकविभाजनम्–

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अंकाः
अतिलघूत्तरात्मकाः	02	02	02 X 02=04
लघूत्तरात्मकाः वार्तिकव्याख्याः	02	01	01 X 06=06
निबन्धात्मकाः	02	01	01 X 10 =10
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अंकाः
अतिलघूत्तरात्मकाः	02	02	02X02=04
लघूत्तरात्मकाः	02	01	01X06=06
निबन्धात्मकाः	02	01	01X10=10
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अंकाः
लघूत्तरात्मकाः	2	2	02X02=04
लघू निबन्धात्काः	2	1	01X06=06

द्वितीयप्रश्नपत्रम् — पूर्णांकाः 50

(क) आप्तपरीक्षा (आचार्यविद्यानन्दः) 1तः 18कारिकापर्यन्तम्। — 20
प्राप्तिस्थानम्– वीर–सेवा–मन्दिरम्, दिल्ली।

(ख) जैनतत्त्वविद्या (मुनिः प्रमाणसागरः) चरणानुयोगः — 20
भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।

(ग) चैतन्यचन्द्रोदयशतकम् मूलकारिका (आचार्यः विद्यासागरः) 60 श्लोक पर्यन्तम् — 10
प्राप्तिस्थानम् – श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थानम् सांगानेरम् जयपुरम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अंकाः
अतिलघूत्तरात्मकाः	02	02	02 X 02=04
लघूत्तरात्मकाः	02	01	01 X 06=06
निबन्धात्मकाः	02	01	01 X 10 =10
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अंकाः
अतिलघूत्तरात्मकाः	02	02	02X02=04
लघूत्तरात्मकाः	02	01	01X06=06
निबन्धात्मकाः	02	01	01X10=10
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अंकाः
लघूत्तरात्मकाः	2	2	02X02=04
लघू निबन्धात्काः	2	1	01X06=06

28/5/18

श्रमणविद्यासंकायः

जैनदर्शनम्

शास्त्री अर्द्धवार्षिकपाठ्यक्रमः (षष्ठ सेमेस्टर)

प्रथमप्रश्नपत्रम् पूर्णांकाः 50

(क) तत्त्वार्थराजवार्तिकम् (आचार्योऽकलंकदेवः) प्रथमोऽध्यायः 19तः 33सूत्रपर्यन्तम् 20
प्राप्तिस्थानम्– भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली

(ख) आप्तमीमांसा (आचार्यः समन्तभद्रः) 61तः 114कारिकापर्यन्तम्। 20
वीर–सेवा–मन्दिरम्, दिल्ली

ग) निरञ्जन शतकम् (आचार्य विद्यासागरः) 51 तः 100 श्लोक पर्यन्तम् 10
प्राप्ति स्थानम् -- श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थानम् सांगानेरम्

अंकविभाजनम्–

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अंकाः
अतिलघूत्तरात्मकाः	02	02	02 X 02=04
लघूत्तरात्मकाः वार्तिकव्याख्याः	02	01	01 X 06=06
निबन्धात्मकाः	02	01	01 X 10 =10
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अंकाः
अतिलघूत्तरात्मकाः	02	02	02X02=04
लघूत्तरात्मकाः	02	01	01X06=06
निबन्धात्मकाः	02	01	01X10=10
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अंकाः
लघूत्तरात्मकाः	2	2	02X02=04
लघू निबन्धात्काः	2	1	01X06=06

द्वितीयप्रश्नपत्रम् पूर्णांकाः 50

(क) आप्तपरीक्षा (आचार्यविद्यानन्दः) 19तः 31कारिकापर्यन्तम्। 20
प्राप्तिस्थानम्– वीर–सेवा--मन्दिरम्, दिल्ली।

(ख) जैनतत्त्वविद्या (मुनिः प्रमाणसागरः) द्रव्यानुयोगश्च। 20
भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।

(ग) चैतन्यचन्द्रोदयशतकम् मूलकारिका (आचार्यः विद्यासागरः) 61तः 115 श्लोक पर्यन्तम्
प्राप्तिस्थानम् – श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थानम् सांगानेरम् जयपुरम् 10

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अंकाः
अतिलघूत्तरात्मकाः	02	02	02 X 02=04
लघूत्तरात्मकाः श्लोकव्याख्याः	02	01	01 X 06=06
निबन्धात्मकाः	02	01	01 X 10 =10
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अंकाः
अतिलघूत्तरात्मकाः	02	02	02X02=04
लघूत्तरात्मकाः	02	01	01X06=06
निबन्धात्मकाः	02	01	01X10=10
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अंकाः
लघूत्तरात्मकाः	2	2	02X02=04
लघू निबन्धात्काः	2	1	01X06=06

अन्त में धन्यवाद ज्ञापित कर उपवेशन का समापन हुआ।

28/04/2018

(डॉ. लालचन्द शर्मा) 28/04/2018
संकायाध्यक्ष

AR (Acad)
01/05/18

ज.रा.राज. संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर
पत्र प्राप्ति सं. 381 दि. 2-5-18

जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय

ग्राम मदाऊ, पोस्ट भांकरोटा, जिला जयपुर–302026

क्रमांक : प.( ) जरारासंविवि / अधिष्ठाता – सा.सं.सं. / 18 / 175 — दिनांक 24 / 4 / 2018

प्रेषक :

प्रो. विनोद बिहारी शर्मा
अधिष्ठाता– साहित्य एवं संस्कृति संकाय
जरारासंविवि,जयपुर ।

प्रेषिति :

कुलसचिव
जरारासंविवि.
जयपुर।

विषय :– विद्यापरिषद् में साहित्य एवं संस्कृति संकाय का पाठ्यक्रम 2019 को अनुमोदनार्थ प्रस्तुत करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

विषयान्तर्गत लेख है कि दिनांक 24–4–2018 को साहित्य एवं संस्कृति संकाय के उपवेशन में साहित्य एवं भाषाविज्ञान अध्ययन मण्डल तथा पुराणेतिहास एवं प्राचीन राजनीतिशास्त्र अध्ययन मण्डल द्वारा शास्त्री, आचार्य, संयुक्ताचार्य, विद्यानिधि (एम.फिल.) की परीक्षा 2019 के लिये प्रस्तावित पाठ्यक्रमों का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। उक्त समस्त पाठ्यक्रम विद्यापरिषद् के अग्रिम उपवेशन में अनुमोदनार्थ प्रेषित किया जा रहा है।

संलग्न :– साहित्य एवं संस्कृति संकाय एवं तत्सम्बन्धी अध्ययन मण्डलों के उपवेशनों का कार्यवाही विवरण

(प्रो. विनोद बिहारी शर्मा)
अधिष्ठाता, साहित्य एवं संस्कृति संकाय,
जरारासंविवि, जयपुर।

जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय

ग्राम मदाऊ, पोस्ट भांकरोटा, जिला जयपुर–302026

क्रमांक : प.( ) जरारासंविवि/ अधिष्ठाता – सा.सं.सं./18/ दिनांक 24/4/2018

साहित्य एवं संस्कृति संकाय एवं तत्सम्बन्धी अध्ययन मण्डलों के उपवेशनों का कार्यवाही विवरण

प्रथम उपवेशन सत्र :–

आज दिनांक 24.04.2018 को प्रातः 11.00 बजे से पूर्वप्रसारित सूचना एवं निर्धारित कार्यक्रमानुसार विश्वविद्यालय के सभा कक्ष में प्रो. विनोद बिहारी शर्मा, अधिष्ठाता, साहित्य एवं संस्कृति संकाय की अध्यक्षता में साहित्य एवं संस्कृति संकाय का उपवेशन आयोजित किया गया। वैदिक राष्ट्रिय प्रार्थना एवं मंगलाचरण के साथ उपवेशन की कार्यवाही प्रारम्भ हुई । सर्वप्रथम संकाय अधिष्ठाता ने आगन्तुक समस्त संकाय सदस्यों का यथोचित स्वागत किया एवं संकाय के कुछ सदस्यों के सेवानिवृत्त होने तथा नवीन सदस्यों के संकाय में सम्मिलित होने की अभियोग्यता की स्थिति में साहित्य–संस्कृति संकाय में नवीन सदस्यों एवं बाह्य सदस्यों का संयोजन सम्बन्धी प्रथम विचारणीय बिन्दु विचारार्थ एवं निर्णयार्थ सदन में रखा जिस पर चर्चा हुई एवं सर्वसम्मति से नवीन एवं बाह्य सदस्यों के नाम संकाय की सूची में संयोजित करने का निर्णय लिया गया। नवीन संयोजित सदस्यों का विवरण निम्नानुसार है –

साहित्य एवं संस्कृति संकाय में नवीन सदस्यों एवं बाह्य सदस्यों का संयोजन

क.सं.	नाम सदस्य	दूरभाष
1	डॉ. स्नेहलता शर्मा, विभागाध्यक्ष, साहित्य विभाग, जरारासंविवि, जयपुर	9352530162
2	डॉ. जयप्रकाश मिश्र, व्याख्याता, राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय महापुरा, जयपुर	9351103645
3	डॉ. महेश चंद्र शर्मा, व्याख्याता, राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय तीतरिया, जयपुर	9982511119
4	डॉ. जगदीश प्रसाद शर्मा, व्याख्याता, राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय,बौली, स.मा.	9460182525
5	डॉ. कैलाशचन्द बुनकर, , व्याख्याता, राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय, चीथवाडी	9828546213
6	डॉ. बाबुलाल शर्मा,व्याख्याता, राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय, चक खाचरियाबास	9784232958
7	डॉ. नन्दलाल शर्मा, व्याख्याता, राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय, भरतपुर	8209832310
8	डॉ. अवधेश कुमार शर्मा, व्याख्याता, राजकीय आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, कोटा	9928372739
9	डॉ. विनयचन्द झा, व्याख्याता, राजकीय आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, अजमेर	9929857316
10	प्रो. लक्ष्मीशर्मा , फ्लेट नं. 102, 'सोल स्पेस' अपोजिट आस्था इन्टरनेसनल स्कूल सूर्य मार्ग, तिलक नगर जयपुर–302004 (बाह्य सदस्य)	9829113445
11	प्रो. सुरेन्द्र शर्मा जी, 277–ए, महेश नगर, 80 फिट रोड, जयपुर। (बाह्य सदस्य)	9887852472

तत्पश्चात् साहित्य एवं भाषा विज्ञान तथा पुराणेतिहास एवं प्राचीन राजनीति शास्त्र अध्ययन मण्डलों के पुनर्गठन सम्बन्धी द्वितीय विचारणीय बिन्दु पर गम्भीरता पूर्वक विचार विमर्श करते हुए सर्वसम्मति से साहित्य एवं भाषा विज्ञान अध्ययन मण्डल तथा पुराणेतिहास एवं प्राचीन राजनीति शास्त्र अध्ययन मण्डल का आगामी तीन वर्षो के लिये गठन किया गया एवं उभयविध अध्ययन मण्डलों के सर्वसम्मति से संयोजक निर्वाचित किए गये । नवगठित अध्ययन मण्डलों का विवरण निम्नानुसार है–

(क) साहित्य एवं भाषा विज्ञान अध्ययन मण्डल 2018

क.सं.	नाम पता एवं फोन नंबर	पद
1	डॉ. स्नेहलता शर्मा, विभागाध्यक्ष, साहित्य विभाग, जरारासंविवि, जयपुर, 9352530182	संयोजक
2	प्रो. मामराज शर्मा, प्रोफेसर, राजकीय आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, सीकर 9887347175	सदस्य
3	प्रोफेसर ओमप्रकाश सांखोलिया प्रोफेसर राजकीय गंगा साद्रुल आचार्य संस्कृत महाविद्यालय बीकानेर, 9414403230	सदस्य
4	डॉ. सीताराम गुर्जर, व्याख्याता, राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय दौसा, राजस्थान , 9680760863	सदस्य
5	डॉ. महेश चंद्र शर्मा, व्याख्याता, राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय तीतरिया, जयपुर, 9982511119	सदस्य
6	प्रो. लक्ष्मीशर्मा , प्लेट नं. 102, 'सौल स्पेस' अपोजिट आस्था इन्टरनेसनल स्कूल सूर्य मार्ग, तिलक नगर जयपुर–302004, मो. नं. 09829113445	बाह्य सदस्य
7	प्रो. सुरेन्द्र शर्मा जी, 277–ए, महेश नगर, 80 फिट रोड, जयपुर, 9887852472	बाह्य सदस्य

(ख) पुराणेतिहास व प्राचीन राजनीति शास्त्र अध्ययन मण्डल

क.सं.	नाम पता एवं फोन नंबर	पद
1	डॉ. शालिनी सक्सेना, प्रोफेसर, राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, गांधीनगर, जयपुर 9414051119	संयोजक
2	डॉ. सुभाषचंद्र शर्मा, सह आचार्य, साहित्य विभाग, जरारासंविवि, जयपुर, 9829566944	सदस्य
3	प्रो. सत्यनारायण शर्मा, प्रोफेसर राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर 99413084291	सदस्य
4	डॉ. जयप्रकाश मिश्र, व्याख्याता, राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय महापुरा, जयपुर, 9351103645	सदस्य
5	प्रो. (डॉ.) श्रीकृष्ण शर्मा, 75, कृष्णायन, छत्रशाल नगर, मालवीय नगर, जयपुर	बाह्य सदस्य

द्वितीय उपवेशन सत्र :–

12.00 बजे से 1.30 बजे के मध्य प्रो. विनोद बिहारी शर्मा, अधिष्ठाता, साहित्य एवं संस्कृति संकाय की अध्यक्षता में अध्ययन मंडलों के उपवेशन आयोजित हुए जिनमें साहित्य एवं भाषा विज्ञान अध्ययन मंडल में उपस्थित सदस्यों द्वारा सत्र 2018–19 के लिए संयुक्ताचार्य, शास्त्री, आचार्य एवं विद्यानिधि (एम.फिल.) के लिए पाठ्यक्रमों पर विचार विमर्श करते हुए सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि –

1. सत्र 2018–19 हेतु संयुक्ताचार्य, शास्त्री, आचार्य एवं विद्यानिधि (एम.फिल.) कक्षाओं के लिए वर्तमान पाठ्यक्रम को ही पूर्वनिर्धारितानुसार यथावत् रहेगा।

2. विद्यानिधि (एम.फिल.) परीक्षा के संबंध में विश्वविद्यालय के पत्रांक पं. ( ) जराराससंविवि/नि.अनं./17/2472, दिनांक 15.09.2017 के आधार पर विचारविमर्श कर यह निर्णय लिया गया कि विद्यानिधि (एम.फिल.) की परीक्षा की वर्तमान में प्रचलित वार्षिक प्रणाली के प्रथम एवं तृतीय प्रश्न पत्र 2019 से प्रभावी सेमेस्टर प्रणाली के द्वितीय सेमेस्टर का क्रमशः प्रथम तथा तृतीय प्रश्न पत्र होगा। पाठ्यक्रम यथावत् रहेगा।

इसी प्रकार पुराणेतिहास एवं प्राचीन राजनीति शास्त्र अध्ययन मंडल में उपस्थित सदस्यों द्वारा सत्र 2018–19 के लिए संयुक्ताचार्य, शास्त्री परीक्षा के लिए पाठ्यक्रमों पर विचार विमर्श करते हुए सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि –

1. सत्र 2018–19 के लिए संयुक्ताचार्य एवं शास्त्री परीक्षा के लिए पाठ्यक्रमों को पूर्वनिर्धारितानुसार यथावत् रखा जावे।

तृतीय उपवेशन सत्र :–

अपराह्ण 2.00 बजे से 3.30 बजे के मध्य साहित्य एवं संस्कृति संकाय का उपवेशन प्रो. विनोद बिहारी शर्मा, अधिष्ठाता, साहित्य एवं संस्कृति संकाय की अध्यक्षता आयोजित हुआ । उक्त उपवेशन में सत्र 2018–19 के लिए संयुक्ताचार्य, शास्त्री, आचार्य एवं विद्यानिधि (एम.फिल.) कक्षाओं के लिए अध्ययन मण्डलों द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम चर्चा के उपरान्त उपस्थित समस्त संकाय सदस्यों द्वारा अनुमोदन किया गया एवं विद्यापरिषद् में अनुमोदनार्थ प्रेषित किये जाने का निर्णय लिया गया। शान्तिपाठ के साथ उपवेशन सत्र की सम्पूर्ति हुई।

(प्रो. विनोद बिहारी शर्मा)
अधिष्ठाता, साहित्य एवं संस्कृति संकाय,
जसरासंविवि, जयपुर।

प्रेषित,

कुलसचिव
जरारासंविवि, जयपुर।

विषय :– शैक्षणिक सत्र 2018–19 में वेद–वेदांग संकाय के पाठ्यक्रम के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयान्तर्गत लेख है कि शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष, आचार्य प्रथम एवं द्वितीय वर्ष, एम.फिल., संयुक्ताचार्य प्रथम से दशम सेमेस्टर हेतु शैक्षणिक सत्र 2017–18 में प्रचलित पाठ्यक्रम को ही शैक्षणिक सत्र 2018–19 में यथावत माना जावें।

भवदीय

(प्रो.भास्कर शर्मा 'श्रोत्रिय')
संकायाध्यक्ष, वेद–वेदांग
जरारासंविवि, जयपुर

Academic
24/9/18

ज. रा. राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर
आधुनिक ज्ञान विज्ञान संकाय, दिनांक 20/7/18 को आयोजित
बैठक का कार्यवृत्त

आज दिनांक 20/7/2018 को विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के सभागार में आधुनिक ज्ञान विज्ञान संकाय के अध्ययन मण्डल की बैठक में निम्नानुसार प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किये गये।

1/ वर्तमान में संचालित पाठ्यक्रम पर उपस्थित सभी सदस्यों ने निर्णय लिया कि राजस्थान विश्व विद्यालय, जयपुर के पाठ्यक्रम को ही 2018-2019 में यथावत रखा जावे।

2/ विश्वविद्यालय में महाविद्यालय विकास परिषद (CDC) का गठन किया जावे।

3/ पर्यटन, पत्रकारिता, कौशल-विकास विषयों पर डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू किया जावे।

4/ प्रारम्भिक कम्प्यूटर एवं पर्यावरण अध्ययन के विषयों के अध्यापन की समुचित व्यवस्था महाविद्यालयों में नहीं है। विश्वविद्यालय स्तर से निदेशालय को सामान्य शिक्षा के महाविद्यालयों की भाँति कम्प्यूटर विषय के पद स्वीकृत करने व शिक्षकों की नियुक्ति की जावे।

संकायाध्यक्ष
आधुनिक ज्ञान विज्ञान
ज. रा. रा. सं. वि. जयपुर

(डॉ० कमल किशोर सैनी)

(मानचन्द खंडेला)

20/7/18
(डॉ० प्रशांत पंवार)

(डॉ इन्दिरा खत्री)

(भँवरलाल शर्मा)

(मनोज कुमार मोरवाल)

20/7/18
(Dr. Anupama Rajoria)

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय मदाऊ जयपुर

आधुनिक ज्ञान विज्ञान संकाय

सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि आधुनिक ज्ञान विज्ञान संकाय के अध्ययन मण्डल का उपवेशन दिनांक 20.07.2018 को विश्वविद्यालय के सभागार में 11.00 बजे आयोजित की गई है जिसमें सभी सदस्यों की उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है।

(डॉ. दीपक राज सोही)
संकायाध्यक्ष
आधुनिक ज्ञान विज्ञान संकाय
ज.रा.रा.सं.वि.वि. जयपुर

(भंवर लाल शर्मा)
संयोजक
आधुनिक ज्ञान विज्ञान संकाय
ज.रा.रा.सं.वि.वि. जयपुर

दिनांक 5/7/2018

सभी सदस्यों को दूरभाष पर तत्काल सूचना दी जाय।

2 बी.ए. वर्ष प्रथम – हिन्दी साहित्य
प्रथम प्रश्न पत्र – आदिकाल और भक्तिकाल

पूर्णांक 100 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

1. ढोला मारू रा दोहा – संपादक – नरोत्तम दास स्वामी
दोहा संख्या– 119 से 133 तक

2. विद्यापति – संपादक – शिवप्रसाद सिंह
नन्दक नन्दन – विद्यापति पदावली
– सुन जसिया ऊबन बजाऊ बिपिन बसिया
– विरह व्याकुल मृदुल तरुतर
– कुंज भवन से चल भेलि हे
– सखि हे कतऊं न देख मधाई

3. चन्दबरदाई – संपादक – पृथ्वीराज रासौ, संपादक – हजारी प्रसाद द्विवेदी, नामवर सिंह
कैमास करनाटी प्रसंग – 1 से 5 छंद

4. कबीर दास – कबीर ग्रंथावली संपादक – श्यामसुंदर दास
विरह को अंग साखी सं. – 7,8,9,11,12,13,14,15,16,17
पद – दुलहन गावहु मंगल चार
– गोविन्द हम ऐसे अपराधी
– पंडित वाद वदन्ते झूठा
– कोई जाणैगा जाणनहारा
– न जाने मिलन गोपाला

5. सूरदास पद सूरसागर सार – सं. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
– ऊधो अखियां अति अनुरागी
– उपमा एक न नैन गही
– ऊधो मन नाहीं दस–बीस
– निर्गुण कौन देस को वासी
– हमारे हरि हारिल की लकरी
– उर में मारवन चोर गड़े
– मधुकर श्याम हमारे चोर
– ऊधो भली करी ब्रज आए
– बिन गोपाल बैरिन भई कुंजैं
– लखियत कालिन्दी अति कारी

6. तुलसीदास छंद कवितावली – गीता प्रेस गोरखपुर
– पुरते निकसी रघुवीर वधू
– जल को गए लक्खन है लरिका
– रानी मैं जानि अजानी महा
– सुन सुंदर बैन सुधारस साने
– कोपि दशकंध तव प्रलय पयोध बोले
– पावक पवन, पानी भानु हिम कातु जम्मु
– गजबाजि घटा भलै भूरि मरा

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

– राज सुरेस पचासक कौ, विधि के मसक

7. जायसी

जायसी ग्रंथावली, सं. – रामचन्द्र शुक्ल
– सिंहलद्वीप वर्णन खंड, प्रारंभ के 5 अंश
– सिंहल दीप कथा अब गांउ..... भासा लेहि दई कर नाभु

8. मीरां

मीरा मुक्तावली सं. – नरोत्तम स्वामी
पद संख्या – 14, 15, 16, 20, 23, 28, 31, 32

9. रसखान

रसखान रचनावली सं. – विद्यानिवास मिश्र
– सुजान रमखान अंश से प्रथम 8 छंद

अंक विभाजन

– कुल चार व्याख्याएं विकल्प देय 10 X 4 = 40
एक कवि से एक ही

आलोचनात्मक प्रश्न 3 (विकल्प देय) 16 X 3 = 48

एक प्रश्न टिप्पणी परक
किन्हीं दो विषयों पर संक्षिप्त टिप्पणी (विकल्प देय) 6 X 2 = 12
(आदिकाल तथा भक्तिकाल की प्रवृतियों से संबंधित)

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

20-7-18.

बी.ए. वर्ष प्रथम – हिन्दी साहित्य

द्वितीय प्रश्न पत्र – (कहानी एवं उपन्यास)

पूर्णांक 100 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

खण्ड – अ

1. उपन्यास – पचपन खंभे लाल दीवारें (उषा प्रियंवदा)

2. कहानी

चन्द्रधर शर्मा गुलेरी	–	उसने कहा था
प्रेमचंद	–	नमक का दरोगा
जय शंकर प्रसाद	–	मधुवा
जैनेन्द्र	–	पाजेब
यशपाल	–	खच्चर और आदमी
मोहन राकेश	–	मलबे का मालिक
मन्नू भण्डारी	–	सजा
शेखर जोशी	–	दाज्यू
रांगेय राघव	–	गंदल

खण्ड – ब

3. गद्य की विधाएं

डायरी	– हरिवंश राय बच्चन	–	प्रवास की डायरी : कुछ पन्ने
संस्मरण	– अज्ञेय	–	बसन्त के अग्रदूत : निराला
यात्रा	– धर्मवीर भारती	–	ठेले पर हिमालय
आत्मवृत्त	– शानी	–	गर्दिश के दिन
रेखाचित्र	– महादेवी वर्मा	–	सोना

4. खण्ड – 'स'

हिन्दी उपन्यास व कहानी स्वरूप और परिभाषा
हिन्दी उपन्यास व हिन्दी कहानी का विकास
हिन्दी गद्य का विकास, गद्य की विविध विधाएं

अंक विभाजन

कुल चार व्याख्याएं (खण्ड 'अ' व 'ब' से) (आन्तरिक विकल्प देय) 10 x 4 = 40 अंक

कुल चार निबन्धात्मक प्रश्न 15 x 1 = 60 अंक

खण्ड 'अ' दो प्रश्न – एक उपन्यास पर, एक कहानी पर (आन्तरिक विकल्प देय)
खण्ड 'ब' से एक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय)
खण्ड 'स' से एक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय)

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR
20.7.18

बी.ए. वर्ष द्वितीय – हिन्दी साहित्य
प्रथम प्रश्न पत्र – (रातकाल)

2

पूर्णांक 100

न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

1. केशवदास

रामचन्द्रिका – राम वंदना – पूरण पुराण अरू..... देती मुक्तिको.....

सूर्योदय वर्णन – 1. अरूण गात अति प्रात..... दिन भामिनी की भाल को।
2. व्योम में मुनि देखिए..... तिक्षिता तिनकी हुई।

पंचवटी वर्णन – 1. फल फूलन पूरे..... रति मधु जाने
2. सब जात फटी ..... धूर जटि पंचवटी।
3. सोभित दडंक की रूचि ..... जनु मूरति लसै।

हनुमान लंका गमन – 1. हरि केसो वाहन ..... हनुमान चल्यौ लंक को।

2. बिहारी (20 दोहे)

– मेरी भव बाधा हरौ.....
– तजि तीरथ हरि राधिका.....
– नाच अचानक ही उठै बिन पावक.....
– कहत नटत रीझत खिझत.....
– नेहन नैनन को कछु उपजी बड़ी बलाय .....
– पाय महावर दैन को नाइन बैठी आय .....
– मंगल बिन्दु सुरंग मुख शशि केसर.....
– अंग–अंग नग जगमगत दीपशिखा सी देह.....
– भूसन भारू सम्भारि है.....
– कीनै हू कोटिक जतन अब कहि.....
– या अनुरागी, चित्त की .....
– जद्यपि सुंदर सर पुनि सगुना दीपक देह.....
– कहा कहौं वाकीदसा हरि प्राणन केइस.....
– पत्रा ही तिथि पाइए वा घर के चहूं पास.....
– निस अंधियारी नील पटु, पहरे चलि पियगेह.....
– औंधाई सीसी सुमुखि विरह अगन बिललात.....
– इति जावत उत जात सखि.....
– लाल तुम्हारे बिरह की अगन अनूप अपार.....
– कहलानै एकत बसत अहि मयूर मृग बाघ.....
– कनक कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय .....
– कौ कहि सकै बड़ेन सौ लरवै बड़ी हू भूल.....
– नहि पराग नहि मधुर मधु.....
– मरत प्यास पिंजरा परयौ सुआ समय के फेर.....
– जगत जनायौ जेहि सकल सोहरि.....
– तो लगि या मन सदन में.....

3. देव

– जाकै न काम न क्रोध विरोध.....
– कोऊ कहौ कुलटा कुलीन अकुलीन कहौ.....
– रावरौ रूप रहयौ भरि नैनन.....
– गंग तरंगिनी वीचि तरंगिनि .....

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

- ऐसे जु हौ जानत कि जैहे तु विषय के संग,...............
- डार द्रुम पालना बिछौना नव पल्लव के...............
- जब तै कुंवर कान्ह रावरी कला–निधान...............
- राधिका कान्ह को ध्यान करै तब कान्ह ....
- माखन सों मन दूध सौ जोबन...............
- को बचिहै यह बैरी बसन्त पै आवत...............

4. भूषण

- साजि चतुरंग–सैन अंग मैं उमंग धारि सरजा सिवाजी ज़ंग जीतन चलत है।
- बाने फहराने घहराने घंटा गजन के नाहीं ठहराने रावराने देसदेस के।
- बेद राखे बिदित पुरान परसिद्ध राखे राम–नाम राख्यो अति रसना सुघर में।
- उतरि पलँग तें न दियो हैं धरा पै पग तेऊ सगबग निसिदिन चली जाती हैं।
- ऊँचे घोर मंदर के अंदर रहनवारी ऊँचे घोर मंदर के अंदर रहाती हैं।
- अतर गुलाब चोवा चंदन सुगंध सब सहज सरीर की सुबास बिकसाती हैं।
- सौंधे को अधार किसमिस जिनको अहार चार अंक–लंक मुख चंदके समानी हैं।
- आपस की फूट ही तें सारे हिंदुवान टूटे टूट्यो कुल रावन अनीति अति करतें।
- भुज–भुजगेस की बैसंगिनी भुजंगिनी सी खेदि खेदि खाती दीह दारून दलन के।
- अति सौंधे भरी सुखमा सु खरी मुख ऊपर आइ रहीं अलकैं।

5. धनानंद –

1. छवि कौ सदन, मोदमंडित बदन–चन्द
2. भोर, ते सांझ लौ कानन ओर निहारति वाबरी नैक न हारति
3. सोएँ न सोयबो, जागे न जाग, अनोखियै लाग सु अँखिन लागी
4. नित द्यौंस खरी, उर मांझ अरी, छवि रंग–भरी मुरि चाहनि की
5. अन्तर उदेग–दाह, अँखिन प्रवाह–आँसू
6. नैनन मैं लागै जाय, जागै सु करेजे बीच
7. दिननि के फेर सों, भयो है हेर–फेर ऐसौ
8. कौन की सरन जैये आप त्यों काहू पैये
9. जासौं प्रीति ताहि निठुराई सों निपट नेह,
10. मीत सुजान अनीत करौ जिन, हा हा न हूजियै मोहि अमोहि

6. आलम

1. रूचिर बरन चीरू चन्दन चरचि सुचि,...............
2. अँखियाँ भली जू ऐसे अँसुवनि धारै, नातो, ...
3. चाहती सिंगार तिन्हैं सिंगी को सगाई कहा, ...
4. बारैं तें न पलक लगत बिनु साँवरे ते, ...
5. सीत रिपु भीत भई छाती राती ताती तई, ...
6. लता प्रसून डोल बोल कोकिला अलाप केकि, ...
7. पालन खेलत नन्द ललन छलन बलि, ...
8. दैहों दधि मधुर धरनि धर्यो छोरि खैहैं, ...
9. नीके न्हाइ धोइ धूरि पैतो नेक बैतो आनि, ...
10. गोरस सुहोरी लिये शंभु ताको मत दिये, ...

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

7. पद्माकर

1. कूलन में, केलिन, कछारन में, कुंजन में, ...
2. औरै भाँति कुंजन में गुंजरत भौंरे–भीर, ...
3. चंचला चमाकैं चहूँ ओरन तें चाह–भरी,.....
4. आयी हौ खेलन फाग इहाँ वृषभानपुरी तें सखी सँग लीने।.....
5. सीज ब्रज चंद पै चली यों मुखचंद जा को, ...
6. ऐसी न देखी सुनी सजनी धनी बाढ़त जात बियोग की बाधा।.....
7. तीर पर तरनि–तनूजा के तमाल–तरे, ...
8. फहरे निसान दिसानि जाहिर, धवल दल बक पांत से।.....
9. सिर कटहिं, सिर कटि धर कटहिं, धर कटि सुहय कटि जात हैं.....
10. किल किलकत चंडी, लहि निज खंडी, उमडि, उमंडी, हरषति है.....

8. सेनापति

1. राखति न दोपै पोपै पिंगल के लच्छन कौं, ...
2. बानी सौं सहित सुबरन मुँह रहै जहाँ .....
3. करत कलोल स्रुति सीरघ, अमोल, तोल, ...
4. कालिंदी की धार निरधार है अधर, गन.....
5. सोहै सँग आलि, रही रति हु के उर सालि, ...
6. मालती की माल तेरे तन कौ परस पाइ, ...
7. मानहु प्रबाल ऐसे ओठ लाल लाल, भुज, ...
8. बरन बरन तरू फूले उपवन बन, ...

अंक विभाजन

कुल चार व्याख्याएं (एक कवि से केवल एक व्याख्या) (आन्तरिक विकल्प देय) 4 X 10 = 40 अंक

कुल चार निबन्धात्मक प्रश्न – एक कवि से संबंधित एक ही प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय)

4 X 15 = 60 अंक

29.7.18

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

बी.ए. वर्ष द्वितीय – हिन्दी साहित्य
द्वितीय प्रश्न पत्र – (नाटक एवं एकांकी)

पूर्णांक 100 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

खण्ड – 'अ'

नाटक – कोणार्क : जगदीश चन्द्र माथुर

खण्ड – 'ब'

एकांकी

1. रामकुमार वर्मा	–	उत्सर्ग
2. भुवनेश्वर	–	ताँबे के कीड़े
3. उपेन्द्र नाथ अश्क	–	नया–पुराना
4. विष्णु प्रभाकर	–	ममता का विष
5. लक्ष्मी नारायण लाल	–	काल पुरूष और अजन्ता की नर्तकी
6. धर्मवीर भारती	–	आवाज का नीलाम
7. सुरेन्द्र वर्मा	–	हरी घास पर घंटे भर

खण्ड – 'स'

नाटक एवं एकांकी का उद्‌भव एवं विकास

अंक विभाजन

कुल चार व्याख्याएं – दो नाटक से, दो एकांकी से (आन्तरिक विकल्प देय) 9 x 4 = 36 अंक
कुल चार निबन्धात्मक प्रश्न 14 x 4 = 56 अंक
खण्ड 'अ' व 'ब' में से ''नाटक पर दो प्रश्न, एकांकी पर दो प्रश्न'' (आन्तरिक विकल्प देय)

खण्ड 'स' में से एक टिप्पणी (आन्तरिक विकल्प देय) 8 अंक

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. पूर्वार्द्ध — हिन्दी साहित्य
प्रथम प्रश्न पत्र–

पूर्णांक 100 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

खण्ड – 'अ'

आधुनिक काव्य

1. अयोध्या सिंह उपाध्याय हरीऔध
प्रिय प्रवास – सर्ग 6 प्रथम 40 छंद

2. मैथिलीशरण गुप्त
साकेत – नवम सर्ग
1. वेदने तू भी भली बनी .... पाऊं प्राण धनी
2. निरखी सखी ये खंजन आये .... अश्रु सूखा कर लाये
3. विरह संग अभिसार भी .... और एक संसार भी
4. दोनों और प्रेम पलता है .... मुझे यही खलता है।
5. आ आ मेरी निंदिया गूंगी............ मैं न्यौछावर हूँ जी
6. कहती मैं, चातकि फिर बोल .... उर कै कल–कल्लोल
7. सखि निरखि नदी की धार .... आगे नखीं सहारो

यशोधरा
1. सखि, वे मुझसे कहकर जाते
2. अब कठोर हो बज्रादपि ओ कुसुमादपि सुकुमारी
3. हे मन आज परीक्षा तेरी

3. जयशंकर प्रसाद
कामायनी – श्रद्धासर्ग – प्रथम 20 छंद
आंसू – रो–रोकर सिसक–सिसक कर कहता............ कुछ सच्चा स्वयं बना था

4. सुमित्रानंदन पंत
1. प्रथम रश्मि
2. मौन निमन्त्रण
3. द्रुत झरो

5. अज्ञेय
1. बावरा अहेरी
2. भीतर जागा दाता
3. साँप
4. यह दीप अकेला

6. मुक्तिबोध
1. जन जन का चेहरा एक
2. दूर–तारा
3. खोल आंखें

7. धूमिल
1. प्रौढ़ शिक्षा
2. मोचीराम

8. दुष्यन्त

1. इस नदी की धार में ठंडी हवा आती तो है, नाव जर्जर ही सही, लहरों में टकराती तो है।
2. खँडहर बचे हुए हैं, इमारत नही रही, अच्छा हुआ कि सर पे कोई छत नहीं रही।
3. परिन्दे अब भी पर तोले हुए हैं, हवा में सनसनी घोले हुए हैं।
4. एक .कबूतर, चिट्ठी लेकर, पहली–पहली बार उड़ा, मौसम एक गुलेल लिये था पट से नीचे आन गिरा।
5. एक गुड़िया की कई कठपुतलियों में जान है, आज शायर, ये तमाशा देखकर हैरान है।
6. होने लगी है जिस्म में जुंबिश तो देखिए, परकटे परिन्दे की .कोशिश तो देखिए।
7. अब किसी को भी नजर आती नहीं कोई दरार, घर की हर दीवार पर चिपके हैं इतने इश्तहार।
8. हो गई है पीर पर्वत–सी पिघलनी चाहिए, इस हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए।
9. बाढ़ की संभावनाएँ सामने हैं, और नदियों के किनारे घर बने हैं।

खण्ड – 'ब'

आधुनिक हिन्दी कविता की प्रमुख प्रवृतियाँ – राष्ट्रीय काव्यधारा, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और नई कविता

अंक विभाजन

खण्ड – 'अ'

कुल चार व्याख्याएं (एक कवि से केवल एक व्याख्या) (आन्तरिक विकल्प देय) 4 X 10 = 40 अंक

कुल तीन निबन्धात्मक प्रश्न – एक कवि से संबंधित एक ही प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय)

3 X 15 = 45 अंक

खण्ड – ब में से एक प्रश्न आंतरिक विकल्प देय 15 अंक

20.7.18.

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

बी.ए. वर्ष तृतीय हिन्दी साहित्य
द्वितीय प्रश्न पत्र – निबन्ध तथा काव्यशास्त्र

पूर्णांक 100 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

क – निबंध

1. बालकृष्ण भट्ट	–	साहित्य जन समूह के हृदय का विकास है
2. रामचन्द्र शुक्ल	–	क्रोध
3. हजारी प्रसाद द्विवेदी	–	भारतीय साहित्य की प्राणशक्ति
4. नंद दुलारे वाजपेयी	–	छायावाद
5. रामविलास शर्मा	–	संत साहित्य की ऐतिहासिक भूमिका
6. विद्यानिवास मिश्र	–	मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
7. कुबेर नाथ राय	–	मधुर–मधुर रसराज
8. हरिशंकर परसाई	–	पहिला सफेद बाल
9. निर्मल वर्मा	–	साहित्य में प्रासंगिकता का प्रश्न

ख – काव्य शास्त्र

1. अलंकार	–	परिभाषा तथा महत्व अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, अपन्हुति
2. छंद	–	परिभाषा तथा महत्व दोहा, चौपाई, छप्पय, रोला, मालिनी, शिखरणी, द्रुतविलम्बित, हरिगीतिका
3. रस	–	परिभाषा, रस के अवयव और रस सिद्धान्त
4. गुण	–	माधुर्य, ओज, प्रसाद
5. शब्द शक्ति	–	अभिधा, लक्षणा, व्यंजना

अंक विभाजन

कुल चार व्याख्याएं – एक निबंध से एक व्याख्या (आन्तरिक विकल्प देय) 10 x 4 = 40 अंक

दो आलोचनात्मक प्रश्न – निबंध से संबंधित (आन्तरिक विकल्प देय) 15 x 2 = 30 अंक

खण्ड 'स' में से एक प्रश्न रस और अलंकार से संबंधित (आन्तरिक विकल्प देय) 15 अंक

खण्ड 'स' में से छंद, गुण, शब्द शक्ति पर टिप्पणी (आन्तरिक विकल्प देय) 7½ x 2 15 अंक

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

20.7.18

बी.ए. प्रथम वर्ष – (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय)
बी.ए. / बी.एस.सी. / बी.कॉम. / आनर्स)
सामान्य हिन्दी

पूर्णांक 100 [illegible] न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

नोट : 36 से कम अंक लाने पर छात्रों को उत्तीर्ण नहीं किया जायेगा। इस प्रश्न–पत्र में प्राप्त अंकों को श्रेणी निर्धारण हेतु नहीं जोड़ा जायेगा।

अंक विभाजन – प्रश्न पत्र में दो भाग होंगे – 1. साहित्य खण्ड एवं 2. व्याकरण खण्ड। साहित्य खण्ड में दो भाग होंगे – गद्य भाग एवं पद्य भाग। प्रत्येक खण्ड के लिए 50 अंक निर्धारित है।

50 अंक

क	दो व्याख्या पद्य से (प्रत्येक में विकल्प देना है)	5 x 2 =	10 अंक
ख	~~दो व्याख्या गद्य से (प्रत्येक में विकल्प देना है)~~	5 x 2 =	10 अंक
ग	आलोचनात्मक प्रश्न पद्य से (विकल्प देना है)	$7^{1/2}$ x 2 =	15 अंक
घ	आलोचनात्मक प्रश्न गद्य से (विकल्प देना है)	$7^{1/2}$ x 2 =	15 अंक

साहित्य खण्ड – 'क' :– गद्य–पद्य की निर्धारित रचनाएँ

गद्य भाग –

1. कहानी – प्रेमचन्द – बडे भाई साहब
   विजयदान देथा – सिकंदर और कौआ
2. संस्मरण – कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' – बयालिस के ज्वार की उन लहरों में
3. रेखाचित्र – रामवृक्ष बेनीपुरी– रजिया
4. विज्ञान – गुणाकर मुले – शनि सबसे सुन्दर ग्रह
5. निबंध – अगरचन्द नाहटा – राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर
6. व्यंग्य – शरद जोशी – जीप पर सवार इल्लियाँ
7. पर्यावरण – अनुपम मिश्र – आज भी खरे हैं तालाब

पद्य भाग :– (कबीर ग्रंथावली से सं. – श्यामसुंदर दास)

1. कबीर – साखी सं. – गुरूदेव को अंग – 7,12,26,30
   सुमरन को अंग – 10,17,24,26
   विरह को अंग – 2,6,10,18
2. सूरदास सूरसागर सार – सं. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
   – विनय भक्ति पद सं. – 21,33
   – गोकुल लीला पद सं. – 55,58
   वृंदावन लीला पद सं. – 10,28
   – उद्धव संदेश पद सं. – 77,79
3. तुलसीदास – विनय पत्रिका, गीताप्रेस, गोरखपुर पद सं. – 87,88,90,156,158
4. मीरां – पदावली सं. – नरोत्तम स्वामी पद सं. – 1,3,4,5,10
5. रहीम (दस दोहे) – रहीम ग्रंथावली संपादक विद्यानिवास मिश्र, गोविन्द रजनीश (दोहावली) 186,191,211,212,214,218,219,220,223,224
6. मैथिलीशरण गुप्त – मनुष्यता, हम राज्य लिए मरते है (गीत–साकेत के नवम सर्ग से)
7. सुमित्रानंदन पंत – नौका विहार
8. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला – वह तोड़ती पत्थर
9. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' – हिरोशिमा
10. रामधारी सिंह दिनकर – विपथगा, समर शेष है

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan

खण्ड – 'ख'

व्याकरण/व्यावहारिक हिन्दी खण्ड 50 अंक

1.	निबन्ध लेखन	– शब्द सीमा 300 शब्द	8 अंक
2.	कार्यालयी लेख	– शासकीय – अर्द्धशासकीय पत्र, कार्यालय ज्ञापन, विज्ञप्ति एवं कार्यालय आदेश, अधिसूचना, पृष्ठांकन 4 x 2 =	8 अंक
3.	संक्षेपण	–	4 अंक
4.	पल्लवन	–	5 अंक
5.	शब्द निर्माण प्रविधि	– उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास	5 अंक
6.	शब्द शुद्धि एवं वाक्य शुद्धि		5 अंक
7.	मुहावरे एवं लोकोक्ति		5 अंक
8.	पारिभाषिक शब्दावली		5 अंक
9.	शब्द के प्रकार	– संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं क्रिया विशेषण	5 अंक

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

20.7.18

20.7.18

Syllabus
2 GENERAL ENGLISH
2019

Duration: 3 hrs. **Max. Marks: 100**

Minimum Pass Marks: 36

The syllabus aims at achieving the following objectives:

1. Introducing students to phonetics and enabling them to consult dictionaries for correct pronunciation (sounds and word stress)
2. Reinforcing selected components of grammar and usage
3. Strengthening comprehension of poetry, prose and short-stories
4. Strengthening compositional skills in English for paragraph writing. CVs and job applications.

The Pattern of the Question Paper will be as follows:

Unit A: Phonetics and Translation **(20 marks)**
(10 periods)

I Phonetic Symbols and Transcription of Words	(05)
III Translation of 5 Simple sentences from Hindi to English	(05)
from English to Hindi	(05)
IV Translation of 05 Words from Hindi to English	($2^{1/2}$)
from English to Hindi	($2^{1/2}$)

Unit B: Grammar and Usage **(25 marks)**
(10 periods)

I Elements of a Sentence	(05)
II Transformation of Sentences	(05)
a. Direct and Indirect Narration	

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

D. Active and Passive Voice

II Modals (05)

III Tense (05)

IV Punctuation of a Short Passage with 10 Punctuation Marks (05)

(As discussed in Quirk and Greenbaum)

Unit C: Comprehension (25 marks)

Following Essays and Stories in *Essential Language Skills* revised edition compiled by Macmillan for University of Rajasthan General English B. A. /B. Com./B. Sc.
Candidates will be required to answer 5 questions out of ten questions from the prescribed texts. Each question will be of two (2) marks. (10)

Sujata Bhatt	Voice of the Unwanted Girl
Ruskin Bond	Night Train for Deoli
M.K. Gandhi	The Birth of Khadi
J.L. Nehru	A Tryst with Destiny
A.P.J. Abdul Kalam	Vision for 2020

The candidates will be required to answer 5 questions from an unseen passage. (10)

One vocabulary question of 10 words from the given passage. (5)

Unit D: Compositional Skills (30 marks)

(15 periods)

I Letters-Formal and Informal (10)

II CV's Resume and Job Applications and Report (10)

III Paragraph Writing (10)

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

OPTIONAL SUBJECT

1

ENGLISH LITERATURE
BA Part I
2019

The Syllabus aims at achieving the following objectives:

1. Interpretation and appreciation of selected texts from the genres of poetry, drama, prose and fiction.
2. Strengthening skills of note making, summarizing and dialogue writing.
3. Understanding texts with specific reference to genres, forms and literary terms.

Paper I: Poetry and Drama

Maximum Marks: 100

Duration: 3 hrs **Min. Pass Marks: 36**

Question No. 1: References to Context from unit A, B &C.
Candidate will be required to explain **four (4)** passages of Reference to Context out of **Eight (8)** of five marks each, with a total of **20 Marks.**
Knowledge of Literary Terms and Poetry Appreciation and usages of drama is required.

Question No. 2 will also be compulsory. The student will be required to attempt 5 questions out of 10, to be answered in about 5 lines each. Each question will carry 4 marks to a total of **20 marks.**

The other 3 questions will be Essay-type questions of **20 marks** each, one from each section with internal choice.

SECTION A

W. Shakespeare:
Shall I Compare Thee
Not Marble, nor the Gilded Monuments
Remembrance

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

J. Donne: Death be not Proud.

18

Herbert: Pulley

Andrew Marvell: To His Coy Mistress

J. Milton:

On His Blindness

On His Twenty Third Birthday

J. Dryden: A Song for St. Cecilia's Day

Reference Books-

Strings of Gold Part I Ed. Jasbir Jain (Macmillan)

The Golden Treasury by Francis Turner Palgrave (OUP)

Poet's Pen: An Anthology of English Verse Paperback – by Dustoor P.E. (Author), Homai P.Dustoor (Author) (Oxford University Press)

The New Oxford Book of English Verse, 1250-1950 (Oxford Books of Verse) by Helen Gardner (Editor)

SECTION B

The following poems from *Strings of Gold* Part I Ed. Jasbir Jain (Macmillan)

Kabir

It is Needless to Ask a Saint the Caste to which he belongs.

Rabindra Nath Tagore

Where The Mind is Without Fear

Toru Dutt

The Lotus

Our Casuarina Tree

Sarojini Naidu

Indian Weavers

Song of Radha, The Milkmaid

Reference Books-

Strings of Gold Part I Ed. Jasbir Jain (Macmillan)

Indian Writing in English by K.R.Srinivasa Iyengar .Sterling Publishers Pvt Ltd

A History of Indian English Literature by M.K.Naik Sahitya Akademi

The Golden Treasury of Indo-Anglian Poetry 1828-1965 by Vinayak Krishna Gokak (Editor) Sahitya Akademi

Dy. Registrar (Academic) University of Rajasthan JAIPUR

Kabir (Penguin Classics) by Vinay Dharwadker

SECTION C

W. Shakespeare: *As You Like It*

Reference Books-

As You Like It (The Pelican Shakespeare) by William Shakespeare (Author), Frances E. Dolan (Editor, Introduction), Stephen Orgel

History of English Literature by Hudson

Pelican Guide to English Literature by Boris Ford ed:

Paper II: Prose and Fiction

Maximum Marks: 100

Duration: 3 hrs **Min. Pass Marks: 36**

Question No. 1: References to Context from unit A & B only.
Candidate will be required to explain **four (4)** passages of Reference to Context out of **Eight (8)** of five marks each, with a total of **20 Marks.**

Question No. 2: Will also be compulsory. The student will be required to attempt 5 questions out of 10, to be answered in about 5 lines each. Each question will carry 4 marks to a total of **20 marks.**

The other 3 questions will be Essay – type questions of **20 marks** each, one from each section with internal choice.

SECTION A

Bacon	:	Of Studies
B. Russell		Knowledge and Wisdom
Leigh Hunt		On Getting Up on Cold Mornings
M.K. Gandhi	:	Fearlessness
Lucas		Third Thought
S. Radhakrishnan	:	Democracy
H. Belloc	:	On Educational Reform

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

Reference Books

English Prose Selections (O.U.P.) ed. Dr. S.S. Deo et al.

The Art of the Essayist By Lockitt, C. H. (ed.)

SECTION B

K. Mansfield	:	A Cup of Tea
R. Tagore	:	Living or Dead
H.H. Munro (Saki)	:	The Open Window
R.K. Narayan	:	An Astrologer's Day
E. Hemingway	:	Old Man at the Bridge
George Orwell	:	*Animal Farm*

Reference Books

Popular Short Stories ed. By Board of Editors (O.U.P.)

Malgudi Days by R. K. Narayan Indian Thought Publications

SECTION C

1 .Prose Appreciation

2. Formal Communication

3. Report Writing

4. Presentations Skills

Reference Books

Mohan, Krishna., Raman, Meenakshi. Effective English Communication. Tata McGraw Hill, New Delhi, 2009.

Vandana R. Singh: *The Written Word* (O.U.P.)

The Handbook of Creative Writing. Ed. Steven Earnshaw, Edinburgh University Press, London, 2007.

Pal, Rajendra & Korlahalli, J.S. Essentials of Business Communication. New Delhi: Sultan Chand & Sons: New Delhi. 2005

English at the Workplace eds. Sawhney Panja and Varma (Macmillan)

Dy. Registrar (Academic) University of Rajasthan JAIPUR

English Literature
B.A. Part II
2019

The Syllabus aims at achieving the following objectives:

1. Interpretation and appreciation of selected texts from the genres of poetry, drama, prose and fiction.
2. Strengthening skills of note making, summarizing and dialogue writing.
3. Understanding texts with specific reference to genres, forms and literary terms.

Paper I: Poetry and Drama

Maximum Marks: 100

Duration: 3 hrs **Min. Pass Marks: 36**

Question No. 1: References to Context from unit A, B & C.
Candidate will be required to explain **four (4)** passages of Reference to Context out of **Eight (8)** of five marks each, with a total of **20 Marks.**

Question No. 2: Will also be compulsory. The student will be required to attempt 5 questions out of 10, to be answered in about 5 lines each. Each question will carry 4 marks to a total of **20 marks.**

The other 3 questions will be Essay-type questions of **20 marks** each, one from each section with internal choice.

SECTION A

Thomas Gray: Elegy Written in a Country Churchyard.

William Blake: London, Tiger

William Wordsworth: The World is Too Much with Us

The Solitary Reaper

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

S.T. Coleridge: The Ancient Mariner

George Gordon Byron: There is a Pleasure in the Pathless Woods

P.B. Shelley: Ode to the West Wind

John Keats: To Autumn

Reference Books-

Strings of Gold Part I Ed. Jasbir Jain (Macmillan)

The Golden Treasury by Francis Turner Palgrave (OUP)

Poet's Pen: An Anthology of English Verse Paperback - by Dustoor P.E. (Author), Homai P.Dustoor (Author) (Oxford University Press)

The New Oxford Book of English Verse. 1250-1950 (Oxford Books of Verse) by Helen Gardner (Editor)

SECTION B

Nissim Ezekiel:

a. Enterprise

b. Night of The Scorpion

Kamala Das:

a. My Grandmother's House

b. The Looking Glass

Arun Kolatkar:

a. An Old Woman

b. The Bus

c. Chaitanya

A.K. Ramanujan:

a. Of Mothers, Among Other Things

b. Obituary

c. A River

Grieve Patel:

a. On Killing a Tree

b. Servants

Reference Books-

Ten Twentieth Century Poets ed. R. Parthasarathy (O.U.P.):

Indian Writing in English by K.R.Srinivasa Iyengar .Sterling Publishers Pvt Ltd

A History of Indian English Literature by M.K.Naik Sahitya Akademi

The Golden Treasury of Indo-Anglian Poetry. 1828 1965 by Vinayak Krishna Gokak (Editor) Sahitya Akademi

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

SECTION C

Ibsen: *A Doll's House*

Tagore: *The Post Office*

Reference Books-

Henrik Ibsen: *A Doll's House*. Maple Press (1 August 2014)

Tagore: *The Post Office*. Hesperides Press (August 2014)

Paper II: Prose and Fiction

Maximum Marks: 100

Duration: 3 hrs **Min. Pass Marks: 36**

Question No. 1: References to Context from unit A only.
Candidate will be required to explain **four (4)** passages of Reference to Context out of **Eight (8)** of five marks each, with a total of **20 Marks.**

Question No. 2 will also be compulsory. The student will be required to attempt 5 questions out of 10, to be answered in about 5 lines each. Each question will carry 4 marks to a total of **20 marks.**

The other 3 questions will be Essay-type questions of **20 marks** each, one from each section with internal choice.

SECTION A

S. Radhakrishnan: The Gandhian Outlook

R.K. Narayan: A Bookish Topic

J.B. Priestley: Making Writing Simple

Virginia Woolf: How Should One Read a Book?

Leo Tolstoy: Three Questions

Pearl S Buck: The Refugees

R.K. Narayan: Under the Banyan Tree

Alice Walker: Am I Blue?

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

Reference Books-

An Anthology of English Essays Edited by R.P. Singh (O.U.P.)

The Pointed Vision Edited by Usha Bande and Krishnan Gopal. (O.U.P.)

SECTION B

Chaman Nahal: Azadi

William Golding: *Lord of the Flies*

Reference Books-

Chaman Nahal : Azadi .Penguin Books Ltd (March 30, 2003)

William Golding: *Lord of the Flies*. Penguin Books; 3 edition (October 1, 1999)

SECTION C

Note Making, Summarizing, Theme Writing

Recommended Reading:

Mohan, Krishna., Raman, Meenakshi. Effective English Communication. Tata McGraw Hill, New Delhi, 2009.

The Handbook of Creative Writing. Ed. Steven Earnshaw, Edinburgh University Press, London, 2007.

Pal, Rajendra & Korlahalli, J.S. Essentials of Business Communication. New Delhi Sultan Chand & Sons: New Delhi. 2005

Mohan Das, N.K. Writing Today:Developing Skills in Academic an Workplace Writing (Orient Blackswan)

Vandana R. Singh: *The Written Word* (O.U.P.)

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

ENGLISH LITERATURE
BA Part III
2019

The Syllabus aims at achieving the following objectives:

1. Interpretation and appreciation of selected texts from the genres of poetry, drama, prose and fiction.
2. Strengthening skills of note making, summarizing and dialogue writing
3. Understanding texts with specific reference to genres, forms and literary terms.

Paper I: Poetry and Drama

Maximum Marks: 100

Duration: 3 hrs **Min. Pass Marks: 36**

Question No. 1: References to Context from unit A, B & C.
Candidate will be required to explain **four (4)** passages of Reference to Context out of **Eight (8)** of five marks each, with a total of **20 Marks.**

Question No. 2 will also be compulsory. The student will be required to attempt 5 questions out of 10, to be answered in about 5 lines each. Each question will carry 4 marks to a total of **20 marks.**

The other 3 questions will be essay-type questions of **20 marks** each, one from each section with internal choice.

SECTION A

The following poems from *String of Gold* part III edited by Jasbir Jain (Macmillan):

Tennyson:	Ulysses
R. Browning:	My Last Duchess
M. Arnold:	Dover Beach
G.M. Hopkins:	The Sea and the Skylark
W.B. Yeats:	A Prayer for my Daughter
T.S. Eliot:	Preludes

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

SECTION B

The following poems from *Texts and Their Worlds* Edited by Anna Kurian. Foundation Books. 2005.

Kalidas. Bhavabhuti. Bhartrahari: Is Poetry Always Worthy when its Old?
Syed Amanuddin: Don't Call Me Indo-Anglian
R. Parthasarathy: From Homecoming
Agyeya: Hiroshima
M. Gopalkrishna Adiga: Do Something, Brother
Eunice D Souza: Women in Dutch Painting
O.N.V. Kurup: Earthen Pots
A. Jayaprabha: Stares
Daya Pawar: Oh Great Poet
Sitakant Mahapatra: The Election

SECTION C

Grish Karnad: *Tughlaq*
Eugene O'Neill *The Hairy Ape*

Paper II: Prose and Fiction

Maximum Marks: 100

Duration: 3 hrs **Min. Pass Marks: 36**

Candidate will be required to answer **five (5)** Essay type Questions of **20 marks** each. choosing at least one question from each section, out of **10 essay** type questions.

SECTION A

The following short stories from *Texts and Their Worlds* edited by Anna Kurian

Foundation Books, 2005:

Munshi Premchand: The Shroud

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

Ismat Chugtai:	Roots
V.M. Basheer:	Birthday
Shashi Deshpande:	My Beloved Charioteer
Ambai:	A Kitchen in the Corner of House

SECTION B

R.K. Narayan:	*The Guide*
Charlotte Bronte:	*Jane Eyre*

SECTION C

1. A Short Passage of about 10 simple sentences to be translated from Hindi to English.
2. Editing a short text (Grammaticality, Logicality, Coherence)

Recommended Reading:

Vandana R. Singh. *The Written Word* (O.U.P.)

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR